



भारत का गज़त्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—पार्ट 3—उत्तर-उत्तर (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

HB
26/12/88

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 407]

नई दिल्ली, बृहपार, जुलाई 27, 1988/आवण 5, 1910

No. 407]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 27, 1988/SRAVANA 5, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असाधारण संकलन के कथ में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

फार्मिक, लोक शिक्षायत तथा मेंगन मंत्रालय

(फार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1988

प्रधिकारता

मा.का.नि. 815(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय सेवा, अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उच्चारा (1) द्वारा प्रदन यात्रियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध राज्य सरकारों से परामर्श करने के पालात, निम्नलिखित नियम बनाती हैं, अर्थात्:—

1. गंधीजी नाम और प्रारंभ: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय पुलिस सेवा (उपेक्षा विभिन्नता) नियम, 1988 है।

(2) ये नियम भारत में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिवर्णन: इन नियमों में, जब तक कि मन्त्रमंड से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "काड़" से, काड़ नियमों के नियम 3 के अनुसार गठित, भारतीय पुलिस सेवा काड़ अभिप्रेत है;

(ख) "काड़ नियमों" से, भारतीय पुलिस सेवा (काड़) नियम, 1954 अभिप्रेत है;

(ग) "काड़ अनुसूची" से, भारतीय पुलिस सेवा (काड़ सदस्य संख्या का नियत) विनियम, 1955 की अनुसूची अभिप्रेत है;

(घ) "आयोग" से, संघ लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है;

(ङ) "प्रतियोगिता परीक्षा" से, भर्ती नियमों के नियम 7 में निर्दिष्ट परीक्षा अभिप्रेत है;

(च) "सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त अधिकारी" से, भर्ती नियमों के नियम 7 के अनुसार प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से सेवा में नियुक्त, अधिकारी अभिप्रेत है;

(छ) "पदकम सूची" से, इन नियमों के नियम 5 के प्रधान तंयार की गई, पदकम सूची अभिप्रेत है;

(ज) "अधिकारी" से, सेवा का मदस्य अभिप्रेत है;

(झ) "प्रोफेशनल अधिकारी" से, भारतीय पुलिस सेवा (प्रोफेशनल द्वारा नियुक्त) विनियम, 1955 के उपकरणों के अनुसार सेवा में नियुक्त कोई अधिकारी अभिप्रेत है;

(क) "भर्ती नियमों" से, भारतीय पुनिम सेवा (भर्ती) नियम, 1954 का अधिनियम है;

(द) "चंदन सूची" से, भारतीय पुनिम सेवा (प्रोक्षण द्वारा नियुक्ति) नियम, 1955 के अनुसार तंत्रार की गई अवस्था सूची अधिनियम है;

(इ) "सेवा" से भारतीय पुनिम सेवा अधिनियम है;

(उ) "राज्य काउर" और "संयुक्त काउर" के क्रमशः वही अर्थ हैं, जो उन्हें काउर नियमों में लिए गए हैं;

(क) "संयुक्त काउर" के संबंध में "संबद्ध राज्य संरक्षक" से संयुक्त काउर प्राधिकारी अधिनियम है।

3. आवंटन वर्ष का अनुबोधन :

(1) प्रत्येक अधिकारी को, ऐसे उपर्युक्तों के, जिन्हें इसमें इसके पश्चात हानि नियमों में अन्तर्विष्ट किया गया है, अनुसार आवंटन वर्ष अनुबोधित किया जाएगा।

(2) इन नियमों के प्रारंभ पर सेवा में किसी अधिकारी का आवंटन वर्ष वही होगा, जो उसे समनुविष्ट किया गया है या जो इन नियमों के प्रारंभ से ठीक दूर्वा प्रवृत्त नियमों, आदेशों और अनुदेशों के अनुसार केन्द्रीय गरकार द्वारा उसे समनुविष्ट किया जाए।

(3) इन नियमों के प्रारंभ के पश्चात सेवा में नियुक्त किसी अधिकारी का आवंटन वर्ष अनुबोधित होगा :—

(i) यदि वही भर्ती द्वारा नियुक्त किसी अधिकारी का आवंटन वर्ष वही होगा, जो उस वर्ष के आद आए, जिसमें प्रतियोगिता परीक्षा हुई थी :

अन्तु भारतीय पुनिम सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 21 के खंड (द) में व्यापरिभावित छूट प्राप्त परिवीक्षार्थी और सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त ऐसे अधिकारियों की दृष्टि में जिन्हें भारतीय पुनिम सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 5 के उपनियम (1) के अधीन प्रकारती आवंटन वर्ष के भीष्म भर्ती लिए गए अधिकारियों के साथ परिवीक्षा प्रक्रियण ग्रहण करने को अनुमति किया गया है, उन्हें वही पश्चात्यर्थी वर्ष आवंटन वर्ष के रूप में समनुवेशित किया जाएगा।

(2) किसी प्राकृत अधिकारी का आवंटन वर्ष अनुबोधित रूप से अनुबोधित किया जाएगा :—

(क) उच्च पुनिम सेवा में उस पंक्ति में, जो पुनिम उच्च काउरक भा समनुल्य से नीचे की न हो, बारह वर्ष तक की सेवा के लिए उसे आवंटन वर्ष के नियमन में बारह वर्ष तक की अधिकारी द्वारा जाएगी;

(ख) उद्दे, अधिक से अधिक पांच वर्ष की वरीयता के अधीन रहने हुए, उपर्युक्त (क) में निविष्ट बारह वर्ष की अधिक से अधिक प्रत्येक तीन वर्ष की दूरी की गई सेवा। जो लिए एक वर्ष की वरीयता दी जाएगी। इसकी मणना करने में लिखों को नहीं लिया जाएगा।

(ग) उच्चांश (ख) में वर्णित वरीयता की मणना उस वर्ष में की जाएगी; जिसमें वह अधिकारी सेवा में नियुक्त किया जाता है :

अन्तु उस वर्ष अनुबोधित सूची में उसके ज्येष्ठ अधिकारी को भा किसी पूर्ववर्ती वर्ष सूची के आधार पर सेवा में

नियुक्त अधिकारी को समनुवेशित आवंटन वर्ष से पहले ही अवंटन वर्ष समनुवेशित नहीं किया जाएगा।

4. अधिकारियों की पारस्परिक ज्येष्ठता :—ऐसे अधिकारियों की पारस्परिक ज्येष्ठता जिन्हें आवंटन का एक ही वर्ष समनुदित किया गया है अनुलिपित क्रम में होती और प्रत्येक प्रवर्ती में पारस्परिक ज्येष्ठता अनुलिपित रूप में अनुबोधित की जाएगी।

(i) सीधी भर्ती लिए गए अधिकारियों को भारतीय पुनिम सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 10 के अनुसार बारह वर्ष अधिकारी गृणावाण के क्रम में प्रस्तार देखे जैसे रूप से दर्शा जाएगा;

(ii) प्रोफेशनल अधिकारियों को सेवा में अपनी नियुक्ति की तारीखों के क्रम में प्रस्तार देखे जैसे रूप से दर्शा जाएगा :

अन्तु यदि एक से अधिक अधिकारियों की नियुक्ति की तारीख एक ही है, तो उनकी पारस्परिक ज्येष्ठता उस क्रम में होती जिसमें उनके नाम सेवा में नियुक्ति की तारीख को अनुबोधित किए गए हैं।

5. अर्णव रुची :

प्रत्येक राज्य काउर और संयुक्त काउर के लिए प्रति जर्वे एह अर्णव करण सूची द्वारा की जाएगी, जिसमें उप काउर के मर्के अधिकारियों के नाम ज्येष्ठता के रूप में क्रमांकित हित जाएगे।

6. अर्णव काउर का अनुरित अधिकारियों की जोड़ता हर विवर :

(1) यदि कोई उद्दीप्त भर्ती लिए गए प्रत्येक अनुबोधित से किसी अन्य काउर को सोक हित में अनुरित किया जाता है, तो उसका आवंटन वर्ष अनुरित रहेगा और उह काउर में लिखों उसे ज्येष्ठता लिया जाता है, एक ही आवंटन वर्ष क्रम से सीधी भर्ती लिए गए अधिकारियों के बीच उनकी पारस्परिक ज्येष्ठता लिखी जाएगी, जो समन्वय पुनिम सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 10 के अनुग्राट वर्षांतर की रूप है,

(2) यदि कोई प्रोफेशनल अधिकारी लोक द्वितीय अर्णव काउर में अनुरित किया जाता है तो उसका आवंटन वर्ष अनुरित रहेगा और उसे अधिकारियों के नाम सेवा में अनुरित किया जाता है, जिसके बावजूद पर वे इन विवरों के अद्वितीय अवंटन वर्ष कहें जाएं उस वर्षांतर समन्वयित किया जाएगा।

(3) यदि किसी अधिकारी को उनके अनुरोध पर एक काउर से किसी अन्य काउर में अनुरित किया जाता है तो उस काउर की जिसमें उसे अनुरित किया जाता है नेतृत्व उपर्युक्त उसके उसके प्रवर्ती के सभी अधिकारियों के विवर आवंटन वर्ष कहें जाएं उस वर्षांतर समन्वयित किया जाएगा।

अन्तु किसी सीधी भर्ती लिए गए अधिकारी के भारतीय पुनिम सेवा में स्थानान्तरण को देखा जाए, भारतीय पुनिम सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 10 के अधीन उसे अनुरोध पर एक काउर में समन्वयित करने के अनुरोध उपर्युक्त की जाएगी।

7. निर्वाचनः

इन नियमों के निर्वाचन के संबंध में कोई प्रश्न उठाया गया तो उसे विनाशक्ति के लिये केंद्रीय सरकार ने निर्दिष्ट किया जायगा।

8. नियमन और व्यावृति :

(1) भारतीय पुलिस सेवा (ज्योजिता विनियमन) नियम, 1954 और उक्त नियमों के सत्त्वानी सभी अन्य नियमों को, जो इन नियमों के गांते से छीक पहने प्रवृत्त हैं, प्रत्यक्षरा नियमित किया जाता है।

(2) इन नियमों के प्रवृत्त होने से पहले सेवा में नियुक्त अधिकारियों की ज्योजिता, सेवा में उनकी नियुक्ति की तारीख को प्रवृत्त भारतीय पुलिस सेवा (ज्योजिता विनियमन) नियम, 1954 के अनुमार घबराहिल की जाएगी :

परन्तु इस प्रकार नियमन नियमों के प्रधोन किया गया कोई आदेश या की मई कोई कार्रवाई, इन नियमों के उल्लंघनी उपांधों के अधीन किया गया या की गई सामसी नाप्राप्ति ।

[म. 14014/40/88-प्र.भा.से. (1)]

श्री. पौ. धामकी, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC
GRIEVANCES & PENSIONS**

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 27th July, 1988

NOTIFICATION

GSR No. 815 (E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Governments of States concerned, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Indian Police Service (Regulation of Seniority) Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions :—In these rules, unless the context otherwise requires;

(a) 'Cadre' means the Indian Police Service Cadre constituted in accordance with rule 3 of the Cadre Rules;

(b) 'Cadre Rules' means the Indian Police Service (Cadre) Rules, 1954.

(c) 'Cadre Schedule' means the Schedule to the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955;

(d) 'Commission' means the Union Public Service Commission;

(e) 'Competitive examination' means the examination referred to in rule 1 of the Recruitment Rules;

(f) 'direct recruit officer' means an officer appointed to the service through a competitive examination in accordance with rule 7 of the Recruitment Rules;

(g) 'gradation list' means the gradation list prepared under rule 5 of these rules;

(h) 'officer' means a member of the Service;

(i) 'Promotee officer' means an officer appointed to the service in accordance with the provisions of the Indian Police Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955;

(j) 'Recruitment Rules' means the Indian Police Service (Recruitment) Rules, 1954;

(k) 'Select List' means the Select List prepared in accordance with the Indian Police Service (Appointment by promotion) Regulations, 1955;

(l) 'Service' means the Indian Police Service;

(m) 'State Cadre' and 'Joint Cadre' have the meanings respectively assigned to them in the Cadre Rules;

(n) 'State Government concerned', in relation to a joint Cadre, means the Joint Cadre Authority.

3. Assignment of year of allotment :—(1) Every officer shall be assigned a year of allotment in accordance with the provisions hereinafter contained in these rules.

(2) The year of allotment of an officer in service at the commencement of these rules shall be the same as has been assigned to him or may be assigned to him by the Central Government in accordance with the rules, orders and instructions in force immediately before the commencement of these rules.

(3) The year of allotment of an officer appointed to the service after the commencement of these rules shall be as follows :—

(i) the year of allotment of a direct recruit officer shall be the year following the year in which the competitive examination was held :

Provided that, in the case of exempted probationers, as defined in clause (ee) of rule 2 of the I. P. S. (Probation) Rules, 1954, and direct recruit officers, who are permitted to join probationary training under sub-rule (1) of rule 5 of the IPS (Probation) Rules, 1954, with the direct recruit officers of a subsequent year of allotment, they shall be assigned that subsequent year as the year of allotment.

(ii) The year of allotment of a promotee officer shall be determined in the following manner :—

(a) For the service rendered by him in the State Police Service upto twelve years, in the rank not below that of a Deputy Superintendent of Police or equivalent, he shall be given a weightage of four years towards fixation of the year of allotment;

(b) He shall also be given a weightage of one year for every completed three years of service beyond the period of twelve years, referred to in sub-clause (a), subject to a maximum weightage of five years. In this calculation, fractions are to be ignored;

(c) the weightage mentioned in sub-clause (b), shall be calculated with effect from the year in which the officer is appointed to the service :

Provided that he shall not be assigned a year of allotment earlier than the year of allotment assigned to an officer senior to him in that select list or appointed to the service on the basis of an earlier Select List.

4. Inter-se seniority of the officers :—The inter-se seniority of the officers who are assigned the same year of allotment shall be in the following order and in each category the inter-se seniority shall be determined in the following manner :—

(i) direct recruit officers shall be ranked inter-se in the order of merit as determined in accordance with rule 10 of the Indian Police Service (Probation) Rules, 1954;

(ii) Promotee officers shall be ranked inter-se in the order of their date of appointment to the service :

Provided that if the date of appointment of more than one officer is the same, their inter-se seniority shall be in the order in which their names are arranged in the Select List on the dates of appointments to the Service.

5. Gradation List :—There shall be prepared every year for each State Cadre and Joint Cadre a gradation list consisting of the names of all officers borne on that Cadre arranged in order of seniority.

6. Fixation of the seniority of officers transferred to another Cadre :—

(1) If a direct recruit officer is transferred from one cadre to another in public interest, his year of

allotment shall remain unchanged and his inter-se position among the direct recruits having the same year of allotment in the cadre to which he is transferred shall remain the same as determined in accordance with rule 10 of the Indian Police Service (Probation) Rules, 1954.

(2) If a promotee officer is transferred from one cadre to another in public interest, his year of allotment shall remain unchanged and he shall be ranked inter-se with promotee officers having the same year of allotment in the cadre to which he is transferred with reference to the date on the basis of which he was assigned the year of allotment under these rules.

(3) If an officer is transferred from one cadre to another at his request, he shall be assigned a position in the gradation list of the cadre to which he is transferred below all the officers of his category borne on that cadre who have the same year of allotment :

Provided that in the case of a direct recruit officer transferred from one cadre to another at his request, his seniority in the list prepared under rule 10 of the Indian Police Service (Probation) Rules, 1954 shall remain unaffected for the purpose of the said list.

7. Interpretation :—If any question arises as to the interpretation of these rules, it shall be referred to the Central Government for decision.

8. Repeal and Saving :—(1) The Indian Police Service (Regulation of Seniority) Rules, 1954 and all other rules corresponding to the said rules in force immediately before the commencement of these rules are hereby repealed.

(2) The seniority of the officers appointed to the service prior to the coming into force of these rules shall be determined in accordance with the Indian Police Service (Regulation of Seniority) Rules, 1954 in force on the date of their appointment to the Service :

Provided that any order made or action taken under the rules so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these rules.

[No. 14014/40/88-AIS (I)]

D. P. BAGCHI, Jt. Secy.